



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 205]  
No. 205]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 8, 1981/ज्येष्ठ 18, 1903  
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 8, 1981/JYAISTHA 18, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 8 जून, 1981

सां० कां० नि० 384 (अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क  
और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त  
शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 का और  
संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

6. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (सोलहवां  
संशोधन) नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 56 ग में,—

(1) उपनियम (1) में—

(क) “तैयार माल के विनिर्माता के (जिसे इस नियम में  
इसके पश्चात् द्वितीयक विनिर्माता कहा गया है) कारखाने  
से” शब्दों के स्थान पर “द्वितीयक विनिर्माता के  
कारखाने से” शब्द रखे जाएंगे;

(ख) परन्तु के पश्चात् निम्नलिखित परन्तु अन्तःस्थापित  
किए जाएंगे, अर्थात्—

“परन्तु यह और कि कलक्टर प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा या किसी  
अन्य द्वितीयक विनिर्माता द्वारा द्वितीयक विनिर्माता का प्रदत्त माल को  
या इस प्रकार प्रदत्त माल से द्वितीयक विनिर्माता द्वारा विनिर्मित किसी अन्य  
माल को, जो उक्त मद सं० 68 के अन्तर्गत आता है तैयार माल या उक्त  
मद सं० 68 के अधीन आने वाले किसी अन्य माल के विनिर्माण के लिए  
आवश्यक प्रक्रिया करने के लिए और उक्त द्वितीयक विनिर्माता को वापस  
करने के लिए, हटाने की द्वितीयक विनिर्माता को अनुज्ञा दे सकेगा :

परन्तु यह और भी कि कलक्टर प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा इस  
निमित्त आवेदन किए जाने पर द्वितीयक विनिर्माता को, उक्त मद सं० 68 के  
अधीन आने वाले माल और प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा प्रदत्त माल से उसके  
द्वारा विनिर्मित माल या किसी अन्य द्वितीयक विनिर्माता द्वारा किसी  
द्वितीयक विनिर्माता का प्रदत्त माल से—

(क) तैयार माल के विनिर्माण के लिए और उसे उक्त प्रारम्भिक  
विनिर्माता को वापस करने के लिए, या

(ख) उक्त मद सं० 68 के अधीन आने वाले माल के विनिर्माण के  
लिए और उसे—

(i) इस परन्तु में उपबन्धित रीति से किसी अन्य द्वितीयक  
विनिर्माता के पास, या

(ii) चतुर्थ परन्तु में उपबन्धित रीति से ले जाने के लिए  
माल पर शुल्क का संदाय किए बिना हटाने की अनुज्ञा  
दे सकेगा :

परन्तु यह प्राप्ति की कलवदर, आपवादिक परिस्थितियों में, यदि उसका समाधान हो जाता है कि किसी प्रारम्भिक विनिर्माता को असम्यक् कष्ट का कारण करने के लिए ऐसा करना आवश्यक है तो वह लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से और ऐसे प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा उसे इस निमित्त हटाए जाने पर द्वितीयक विनिर्माता को अपने कारखाने से उक्त मद सं० 68 के अधीन आने वाले माल के किसी विशेष परेषण को, जो, यथास्थिति, प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा या किसी अन्य द्वितीयक विनिर्माता द्वारा देशी उपभोग के लिए समुचित दर पर शुल्क का संदाय करके या अन्तर्गत के अधीन निर्यात के लिए शुल्क का संदाय किए बिना प्रदत्त माल से विनिर्मित है, हटाने की अनुज्ञा दे सकेगा।” ;

(ii) उपनियम (2) के खण्ड (ब) में “ऐसे ही प्रसंस्करण” शब्दों के स्थान पर “उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुसरण करने के पश्चात् ऐसे ही प्रसंस्करण” शब्द रखे जाएंगे;

(iii) उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(3) जहाँ उक्त का संदाय किए बिना उपनियम (1) के परन्तुक के अधीन हटाए गए माल का सम्यक् रूप से लेखा-जोखा नहीं दिया गया है कि उसका उक्त तैयार माल के या किसी द्वितीयक विनिर्माता द्वारा विनिर्मित किसी प्रदत्त माल के विनिर्माण में किया गया है, या जहाँ प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा इस प्रकार हटाए गए माल या किसी द्वितीयक विनिर्माता द्वारा इस प्रकार विनिर्मित किसी माल के बारे में समुचित अधिकारी के समाधानप्रद रूप में यह दर्शित नहीं किया जाता है कि वह खो गया है या नैतिक कारणों से या परिवह्य, उठाई-धराई या भण्डार-करण के दौरान अप्रत्याशित दुर्घटना के कारण नष्ट हो गया है वहाँ प्रारम्भिक विनिर्माता समुचित अधिकारी द्वारा मांग किए जाने पर प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा हटाए गए ऐसे माल या तैयार माल या प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा या किसी अन्य द्वितीयक विनिर्माता द्वारा प्रदत्त माल से किसी द्वितीयक विनिर्माता द्वारा विनिर्मित माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क का संदाय करेगा।”;

(iv) उपनियम (4) के खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(क) प्रारम्भिक विनिर्माता के कारखाने से तैयार माल के यातायातिक हटाए जाने या उपनियम (1) के चतुर्थ परन्तुक के निबन्धनों के अनुसार द्वितीयक विनिर्माता के कारखाने से उक्त मद सं० 68 के अधीन आने वाले माल के हटाए जाने के मामले में, ऐसे हटाए जाने की तारीख को;

(v) उपनियम (7) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम और स्पष्टीकरण रखे जाएंगे, अर्थात्:—

“(7) उपनियम (1) की कोई बात ऐसे मामले में लागू नहीं होगी जहाँ—

(क) उक्त मद सं० 68 के अधीन आने वाले माल का जो उक्त उप नियम के किसी परन्तुक के निबन्धनों के अनुसार हटाया गया है, या

(ख) तैयार माल का, या

(ग) उक्त मद सं० 68 के अधीन आने वाला माल का, जो तैयार माल से उपनियम (2) के खण्ड (ग) के उपबन्धों के अनुसार विनिर्मित किया गया है,

शक्ति की सहायता के बिना या किसी परिसर में जो कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) की धारा 2 के खण्ड (ड) में यथापरिभाषित कारखाना नहीं है, यथापस्थिति विनिर्माण किया गया है या किया जाता है।

(8) कोई द्वितीयक विनिर्माता उक्त मद सं० 68 के अधीन आने वाले और इस नियम के उपबन्धों के अधीन उसके कारखाने में विनिर्मित माल के बारे में नियम 47, 48, 51, 52, 52क, 53, 54, 55, 173ख, 173ग, 173घ, 173च, 173छ (उपनियम (4) और (6) को छोड़कर) (223, 223क के उपबन्धों से तब तक छूट प्रस्तुत होगा जब तक कि वह उक्त मद सं० 63 के अधीन आने वाले किसी अन्य माल के संबंध में, जो उसके कारखाने में विनिर्मित हुआ है और जिसके बारे में इस नियम में विहित प्रक्रिया का अनुसरण नहीं किया जाना है, नियम 174 के उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट प्राप्त रहता है:

परन्तु जब कोई ऐसा द्वितीयक विनिर्माता उपनियम (1) के चतुर्थ परन्तुक के निबन्धनों के अनुसार कोई निकासी करता है तब वह उसके बारे में नियम 52क, 54, 173ख, 173ग, 173च, और 173छ के उपनियम (2) और (3) के उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट प्राप्त नहीं होगा।

स्पष्टीकरण:—इस नियम के प्रयोजन के लिए “द्वितीयक विनिर्माता” से वह विनिर्माता अभिप्रेत है जो—

(क) प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा, या

(ख) किसी अन्य विनिर्माता द्वारा, जिसने इस प्रकार प्रदत्त माल का विनिर्माण प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा प्रदत्त माल से किया,

प्रदत्त माल से उक्त मद सं० 68 के अधीन आने वाले उत्पाद शुल्क माल का विनिर्माण करता है”।

(सं० 126/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क)

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATIONS

New Delhi, the 8th June, 1981

**G.S.R. 384(E).**—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (16th Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 1944, in rule 56 C,—

(i) in sub-rule (1)—

(a) for the words and brackets “from the factory of the manufacturer of the finished goods (hereafter in this rule referred to as the secondary manufacturer)”, the words “from the factory of a secondary manufacturer” shall be substituted;

(b) after the proviso, the following provisos shall be inserted, namely:—

“Provided further that the Collector may permit a secondary manufacturer to remove the goods supplied to him by the primary manufacturer or by any other secondary manufacturer or any other goods falling under the said Item No. 68 and manufactured by the said secondary manufacturer out of the goods so supplied to another premises for carrying out any processes necessary for the manufacture of the finished goods or any other goods falling under the

said Item No. 68 and return thereof to the said secondary manufacturer :

Provided also that the Collector may, on an application being made in this behalf by the primary manufacturer, permit a secondary manufacturer to remove without payment of duty any goods falling under the said Item No. 68 and manufactured by him out of the goods supplied by the primary manufacturer or any other secondary manufacturer to another secondary manufacturer for —

- (a) the manufacture of the finished goods and return thereof to the said primary manufacturer, or
- (b) the manufacture of any other goods falling under the said Item No. 68 and removal thereof —
- (i) to another secondary manufacturer in the manner provided in this proviso, or
- (ii) in the manner provided in the fourth proviso :

Provided also that the Collector in exceptional circumstances, if satisfied that it is necessary for him so to do for the purpose of preventing undue hardship to any primary manufacturer, may, for reasons to be recorded in writing and on an application made to him in that behalf by such primary manufacturer, permit the secondary manufacturer to remove from his factory any particular consignment of goods falling under the said Item No. 68 and manufactured by him out of the goods supplied by the primary manufacturer or by any other secondary manufacturer on payment of duty at appropriate rate for home consumption, or as the case may be, without payment of duty for export under bond.” ;

(ii) in sub-rule (2), in clause (d), after the word “process”, the words “after following the procedure specified in sub-rule (1)” shall be inserted ;

(iii) for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(3) Where goods removed under the first proviso to sub-rule (1) without payment of duty are not duly accounted for as having been used for the manufacture of the finished goods or any other goods manufactured by a secondary manufacturer or where the goods so removed by the primary manufacturer or the finished good or any other goods so manufactured by a secondary manufacturer are not shown to the satisfaction of the proper officer to have been lost or destroyed by natural causes or by unavoidable accident during transport, handling or storage, the primary manufacturer shall, on demand by the proper officer, pay the duty leviable on such goods removed by the primary manufacturer or finished goods or any other goods manufactured by the primary manufacturer or another secondary manufacturer.” ;

(iv) for clause (a) in sub-rule (4), the following clause shall be substituted, namely :—

“(a) in the case of actual removal of the finished goods from the factory of the primary manufacturer, or the removal of any other goods falling under the said Item No. 68 from the factory of the secondary manufacturer in terms of the fourth proviso to sub-rule (1), on the date of such removal ;” ;

(v) for sub-rule (7), the following sub-rules and Explanation shall be substituted, namely :—

“(7) Nothing in sub-rule (1) shall apply in a case where —

- (a) the goods falling under the said Item No. 68 removed in terms of any of the proviso to the said sub-rule, or
- (b) the finished goods, or
- (c) the excisable goods falling under the said Item No. 68 and manufactured out of the finished goods in terms of the provisions of clause (c) of sub-rule (2),

have been, or, as the case may be, are manufactured either without the aid of power or in any premises which is not a factory as defined in clause (m) of section (2) of the Factories Act, 1948 (63 of 1948).

(8) A secondary manufacturer shall be exempt from the operation of the provisions of rules 47, 48, 51, 52, 52A, 53, 54, 55, 173B, 173C, 173D, 173F, 173G, [except sub-rules (4) and (6)], 223, 223A, in respect of the goods falling under the said Item No. 68 and manufactured in his factory under the provisions of this rule so long as he remains exempted from the operation of the provisions of rule 174 in relation to any other goods falling under the said Item No. 68 and manufactured in his factory and in respect of which the procedure prescribed in this rule is not required to be followed :

Provided that when any such secondary manufacturer effects any clearances in terms of the fourth proviso to sub-rule (1), he shall not, in respect thereof, be exempt from the operation of the provisions of rules 52-A, 54, 173B, 173-C, 173-F and sub-rules (2) and (3) of rule 173-G.

Explanation.—For the purposes of this rule, “secondary manufacturer” means a manufacturer who manufactures excisable goods falling under the said Item No. 68 out of the goods supplied to him by—

- (a) the primary manufacturer, or
- (b) another manufacturer who manufactured the goods so supplied out of the goods supplied by the primary manufacturer.”.

[No. 126/81-Central Excises]

सं० का० नि० 385 (ख).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 105/80-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 19 जून, 1980 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, स्पष्टीकरण 2 में खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(ख) किसी विनिर्माता द्वारा, जो उक्त नियमों के नियम 56ग में यथानिर्दिष्ट द्वितीयक विनिर्माता है, उक्त नियम 56ग के उपबन्धों के अधीन, सिवाए उन निष्कासियों के, जो उक्त नियम 56ग के उपनियम (1) के चतुर्थ परन्तुक के निबन्धनों के अनुसार की गई हैं” ।

[सं० 127/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क]

, जे० श्रीधरन, अवर सचिव

**G.S.R. 385(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 105/80-Central Excises, dated the 19th June, namely :—

In the said notification, in Explanation II, for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—

“(b) by a manufacturer who is a secondary manufacturer as referred to in rule 56-C of the said rules, under the provisions of the said rule 56C, except the clearances effected in terms of the fourth proviso to sub-rule (1) of the said rule 56C.”

[No. 127/81-Central Excises]

J. SRIDHARAN, Under Secy.